

एक बच्चा अपने जूते पहनने के लिए तो बड़ा है, पर पिता के साथ पुताई करना चाहे तो वह छोटा है। वह खुद खाना खाने के लिए तो बड़ा है, पर खाना बनाने में माँ की मदद करे तो वह अभी छोटा है। वह द्वंद में है कि वह बड़ा है या छोटा। आखिर वह क्या करे, जिससे माता-पिता को पता चल सके कि वह उनकी मदद करने के लिए पर्याप्त बड़ा है।

A little boy is old enough to tie his shoes, but too young to help his father paint the house. He is old enough to feed himself, but too young to help his mother cook. What can the little boy do to show his parents that he is old enough to help?



Room to Read®

World Change Starts with Educated Children.®

ISBN 978-93-84697-48-8



बड़ा या छोटा!



कहानी: मुकेश मालवीय
चित्र: शैलजा जैन चुगल

समर्पित : Dedication

इस किताब का बनना रूम टू रीड के उदार दानदाताओं के कारण सम्भव हो पाया है।

This book was made possible by the generous donors of Room to Read.

बड़ा या छोटा ! Too Young and Old Enough

IN-LLP-15-0009
Copyright © Room to Read 2015.
All rights reserved.



World Change Starts with Educated Children.®

Room to Read India Trust,
Office No. 201E (B), 2nd floor, D-21
Corporate Park, Sector – 21, Dwarka,
New Delhi – 110075

ISBN 978-93-84697-48-8



Room to Read seeks to transform the lives of millions of children in developing countries by focusing on literacy and gender equality in education. Working in collaboration with local communities, partner organizations and governments, we develop literacy skills and a habit of reading among primary school children, and support girls to complete secondary school with the relevant life skills to succeed in school and beyond.

रूम टू रीड, साक्षरता और शिक्षा में लैंगिक समानता को केंद्र में रख कर विकासशील देशों के लाखों बच्चों की जिंदगियों में बदलाव के लिए प्रयासरत है। हम स्थानीय समुदायों, सहयोगी संस्थाओं और सरकारों के साथ मिलकर प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए काम करते हैं तथा बालिकाओं को माध्यमिक शिक्षा पूरी करने में, जीवन कौशलों को विकसित करते हुए, मदद करते हैं। ताकि वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें और जीवन में सफल हो सकें।

Story: Mukesh Malviya

कहानी: मुकेश मालवीय

Illustration: Shailja Jain Chougale

चित्र: शैलजा जैन चुगल

Publisher: Room to Read India

प्रकाशक: रूम टू रीड इंडिया

Editor: Dilip Tanwar

संपादक: दिलीप तंवर

Language: Hindi

भाषा: हिंदी

लेखक के बारे में



मुकेश मालवीय पिछले दो दशकों से सरकारी स्कूल में पढ़ा रहे हैं। इस काम में मुकेश का मन रमता है क्योंकि यहाँ वे बच्चे-बच्चियों के साथ बातचीत कर पाते हैं। मुकेश स्कूल के लिए किताबें तैयार करते रहे हैं। उन्हें लगता है कि कोर्स की किताबें भी कुछ इस तरह लिखी जाएँ कि बच्चे-बच्चियाँ उन्हें उसी चाव से पढ़ें जिस चाव से वे कहानियों की किताबें पढ़ते हैं।

About the Author

Mukesh Malviya has worked as a teacher in government schools for over twenty years. He enjoys his work as it provides him the opportunity to learn from children and engage them in the learning process. In addition to teaching, Malviya is involved in the development of textbooks for schools and hopes to create textbooks that children will find as appealing as storybooks.

चित्रकार के बारे में



शैलजा जैन चुगल को कला और सिनेमा हमेशा ही मुग्ध करता रहा है। उनकी कहानियाँ अक्सर प्रकृति और आस-पड़ोस की दुनिया से प्रेरित होती हैं। इनके काम को इस वेबसाइट पर देखा जा सकता है-
www.shailjaj.wordpress.com.

About the Illustrator

Shailja Jain Chougale has always been fascinated by art and cinema. Her stories are often inspired by nature and the world around her. More of Chougale's work can be found at -
www.shailjaj.wordpress.com.